म.प्र. राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
सा विद्या या विमुक्तये

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें
मध्य प्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

TESS India

अंग्रेजी
हाई स्कूल/हायर सेकेण्डरी

कक्षा में अंग्रेज़ी भाषा का अधिकाधिक उपयोग

भारत में विद्यालय समर्थित
शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

CC BY SA
http://creativecommons.org/licenses/

The Open University

UKaid
from the British people

एस .आर .मोहन्ती
अपर मुख्य सचिव

अ.शा.पत्र क्र R.S.K/10
दूरभाष कार्यालय - 0755-4251330
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल-462 004
भोपाल, दिनांक 20-1-2016

संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

बच्चों की शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण और रोचक बनाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग निरन्तर प्रयासरत् है। आप सभी के प्रयासों से शिक्षकों के शिक्षण कौशल में भी निखार आया है और शालाओं में कक्षा शिक्षण भी आंनददायी तथा बेहतर हुआ है।

इसी दिशा में शिक्षकों को बाल केन्द्रित शिक्षण की ओर उन्मुख करने और शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को लेकर, TESS India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) का विकास किया गया हैं। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता व सुगमतापूर्वक किया जा सकता है। आशा है कि ये संसाधन, शिक्षकों एवं शिक्षक प्रशिक्षकों के व्यावसायिक उन्नयन और क्षमतावर्द्धन में लाभकारी और उपयोगी सिद्ध होंगे।

राज्य शिक्षा केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में TESS India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया गया हैं। आशा है इन संसाधनों के उपयोग से प्रदेश के शिक्षक और शिक्षक प्रशिक्षक लाभान्वित होंगे और कक्षाओं में पठन पाठन को रूचिकर और गुणवत्तायुक्त बनाने में मदद मिलेगी।
शुभकामनाओं सहित,

(एस.आर.मोहन्ती)

दीप्ति गौड मुकर्जी
आयुक्त
राज्य शिक्षा केन्द्र एवं
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग

अर्द्ध शा. पत्र क्र. : 8
दिनांक : 12/1/16
पुस्तक भवन, वी-विंग
अरेरा हिल्स, भोपाल-462011
फोन : (का.) 2768392
फैक्स : (0755) 2552363
वेवसाइट : www.educationportal.mp.gov.in
ई-मेल : rskcommmp@nic.in

संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

सभी बच्चों को रूचिकर और बाल केन्द्रित शिक्षा उपलब्ध हो इसके लिए आवश्यक है कि हमारे शिक्षकों को शिक्षण की नवीनतम तकनीकों और शिक्षण विधियों से परिचित कराया जाए साथ ही इन तकनीकों के उपयोग के लिए उन्हे प्रोत्साहित भी किया जाए। TESS India द्वारा तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) के उपयोग से शिक्षक शिक्षण प्रविधि के व्यावहारिक उपयोग को सीख सकते हैं। इनकी सहायता से शिक्षक न केवल विषय वस्तु को सुगमता पूर्वक पढ़ा सकते हैं बल्कि पठन पाठन की इस प्रकिया में बच्चों की अधिक से अधिक सहभागिता भी सुनिश्चित कर सकते हैं।

राज्य शिक्षा केन्द्र स्कूल शिक्षा विभाग ने स्थानीय भाषा में तैयार किये गये इन मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को अपने पोर्टल www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया है।

आशा हैं, कि आप इन संसाधनों का कक्षा शिक्षण के दौरान नियमित रूप से उपयोग करेंगे और अपने शिक्षण कौशल में वृद्धि करते हुए बच्चों की पढ़ाई को आनंददायक बनाने का प्रयास करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

(दीप्ति गौड़ मुकर्जी)

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

टेस–इण्डिया स्थानीयकृत ओईआर निर्माण में सहयोग

मार्गदर्शन एवं समीक्षा :
श्रीमती स्वाति मीणा नायक, अपर मिशन संचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एच. के. सेनापति, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. ओ.पी.शर्मा, अपर संचालक, मध्यप्रदेश एससीईआरटी
डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
प्रो.जयदीप मंडल, विभागाध्यक्ष विज्ञान एवं गणित शिक्षा संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. आर. रायजादा, सहप्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष विस्तार शिक्षा, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. वी.जी. जाधव, से.नि. प्राध्यापक भौतिक, एनसीईआरटी
डॉ. के. बी. सुब्रमण्यम से.नि. प्राध्यापक गणित, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. आई. पी. अग्रवाल से.नि. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. अश्विनी गर्ग सहा. प्राध्यापक गणित संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. एल. के. तिवारी, सहप्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
श्री एल.एस.चौहान, सहा. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. श्रुति त्रिपाठी, सहा. प्राध्यापक अंग्रेजी, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. रजनी थपलियाल, व्याख्याता अंग्रेजी, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. मधु जैन, व्याख्याता शास. उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल
डॉ. सुशोवन बनिक, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. सौरभ कुमार मिश्रा, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
श्री. अजी थॉमस, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. राजीव कुमार जैन, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
स्थानीयकरण :
भाषा एवं साक्षरता
डॉ. लोकेश खरे, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एम.एल. उपाध्याय से.नि. व्याख्याता शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय मुरैना
श्री रामगोपाल रायकवार ,कनि. व्याख्याता, डाइट कुण्डेश्वर, टीकमगढ़
डॉ. दीपक जैन अध्यापक, शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय क्र 1 टीकमगढ़
अंग्रेजी
श्री राजेन्द्र कुमार पाण्डेय, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्रीमती कमलेश शर्मा. डायरेक्टर , ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री हेमंत शर्मा, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री मनोज कुमार गुहा वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी. मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एफ.एस.खान, वरि.व्याख्याता, प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान (आईएएसई) भोपाल
श्री सुदीप दास, प्राचार्य, शास.उ.मा.विद्यालय दालौदा, मन्दसौर
श्रीमती संगीता सक्सेना, व्याख्याता, ,शास.कस्तूरबा कन्या उ.मा.विद्यालय भोपाल
गणित
श्री बी.बी. पी. गुप्ता, समन्वयक गणित, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री ए. एच. खान प्राचार्य शास.उ.मा.विद्यालय रामाकोना, छिंदवाड़ा
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद गुप्त , प्राचार्य शास. जीवाजी ऑब्जर्वेटरी उज्जैन
डॉ.आर,सी. उपाध्याय, वरि. व्याख्याता, डाइट, सतना
डॉ. सीमा जैन, व्याख्याता, शास. कन्या उ.मा.विद्यालय गोविन्दपुरा, भोपाल
श्री सुशील कुमार शर्मा, शिक्षक, शास. लक्ष्मी मंडी उ.मा.विद्यालय, अशोका गार्डन, भोपाल
विज्ञान
डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
डॉ. सुसम्मा जॉनसन, व्याख्याता एस.आई.एस.ई. जबलपुर मध्यप्रदेश
डॉ.सुबोध सक्सैना, समन्वयक एससीईआरटी मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री अरूण भार्गव, वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
श्रीमती सुषमा भट्ट, वरि.व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री ब्रजेश सक्सेना, प्राचार्य, एससीईआरटी ,मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. रेहाना सिद्दकी से.नि. व्याख्याता सेन्ट फ्रांसिस हा. से. स्कूल भोपाल

*TESS-India (*विद्यालय समर्थित शिक्षक शिक्षा*)* का उद्देश्य मुक्त शैक्षिक संसाधनों की सहायता से भारत में प्रारंभिक और सेकेण्डरी शिक्षकों के कक्षा अभ्यास व कक्षा निष्पादन को सुधारना है जिसमें वे इन संसाधनों की सहायता से विद्यार्थी - केंद्रित, सहभागी दृष्टिकोणों का विकास कर सकें। टेस इंडिया के मुक्त शैक्षिक संसाधन शिक्षकों के लिए स्कूल पाठ्य पुस्तक के अतिरिक्त, सहयोगी पुस्तिका या संसाधन की तरह हैं। इसमें शिक्षकों के लिए कुछ गतिविधियां दी गई हैं जिन्हे वे कक्षाओ में विद्यार्थियों के साथ प्रयोग में ला सकते हैं, इसके साथ साथ कुछ केस स्टडी दी गई हैं जो यह बताती हैं कि कैसे अन्य शिक्षकों ने पाठ्य विषय को कक्षाओं में पढ़ाया और अपनी विषय संबंधी जानकारियों को बढ़ाने तथा पाठ योजनाओं को तैयार करने में संसाधनों का उपयोग किया।

TESS-India OER भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किये गये है और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट रूप में उपयोग के लिए उपलब्ध हैं *(http://www.tess-india.edu.in)*। *OER* कार्यक्रम से जुड़े प्रत्येक भारतीय राज्य के शिक्षकों के उपयोग के लिए उपयुक्त तथा कई संस्करणों में उपलब्ध हैं तथा शिक्षक व उपयोगकर्ता इन्हे अपनी स्थानीय आवश्यकताओं और सन्दर्भों के अनुरूप इनका स्थानीयकरण करके उपयोग कर सकते हैं।

प्रस्तुत संस्करण मध्यप्रदेश की स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

वीडियों संसाधन

इस इकाई में कुछ गतिविधियों के साथ यह आइकॉन दिया गया है*:* *.* इसका अर्थ है कि आप उक्त विशिष्ट विषयवस्तु या शैक्षणिक प्रविधि को और अधिक समझने के लिए *TESS-India* के वीडियो संसाधनों की मदद ले सकते हैं।

TESS-India वीडियो ससांधन (Resources) भारतीय परिप्रेक्ष्य में कक्षाओं में उपयोग की जा सकने वाली सीखने–सिखाने की विविध तकनीकों को दर्शाते हैं। हमें यकीन है कि इनसे आपको इसी प्रकार की तकनीकें अपनी कक्षा में करने में मदद मिलेगी। यदि इन वीडियो संसाधनों तक आपकी पहुँच नहीं हो तो कोई बात नहीं। यह वीडियो पाठ्यपुस्तक का स्थान नहीं लेते, बल्कि उसको पढ़ाने में आपकी मदद करते हैं।

TESS-India के वीडियो संसाधनों को *TESS-India* की वेबसाइट *http://www.tess-india.edu.in/* पर ऑनलाइन देखा जा सकता है या डाउनलोड किया जा सकता है*)*। इसके अतिरिक्त आप इन वीडियो को सीडी या मेमोरी कार्ड में लेकर भी देख सकते हैं।

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन–शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है: http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

मेरे विद्यार्थी अंग्रेजी में बात करने वाले पर्यावरण में न तो रहते हैं और न पढ़ते हैं, और वे घर पर भी अंग्रेजी भाषा नहीं बोलते हैं इसलिए कुछ विद्यार्थी अंग्रेजी भाषा में पढ़ना और लिखना जानते हैं क्योंकि हमारे कई पाठ इन कौशलों का अभ्यास करवाते है। परन्तु वे ठीक से अंग्रेजी भाषा को समझ व बोल नहीं पातें हैं। किस तरह मैं उन्हें सुनने और बोलने का अभ्यास कराऊँ, जिससे वे अंग्रेजी भाषा को बोल–समझ सकें?

ऐसे दो महत्वपूर्ण कारण हैं जो आपके विद्यार्थियों को अंग्रेजी भाषा सुनने और बोलने में अधिक निडर बना सकते हैं :

- अंग्रेजी भाषा के संचार हेतु बोलचाल व सुनने की भाषा में नियमित रुप से संपर्क में रहना और संचार के लिए प्रयुक्त भाषा को सुनना।
- अंग्रेजी भाषा बोलने का नियमित अभ्यास करना ताकि वे भाषा का प्रयोग निडरता से कर सकें, और उसकी लय/ताल से परिचित हों सकें जिससे उनका उच्चारण सहजता से कर सकें।

हमारे विद्यार्थियों के लिए अंग्रेजी भाषा में वास्तविक और अर्थपूर्ण संचार में संलग्न होने के लिए कई अवसर होना महत्व रखता है। भाषा सीखने का एक अच्छा तरीका है दैनिक जीवन में उसके प्रयोग के समय उसमें तल्लीन हो जाना। आपके विद्याार्थियों ने अपनी स्थानीय भाषाएं इसी तरह से सीखी हैं। चूंकि भारत में अंग्रेजी भाषा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, उनमें से कई विद्यार्थी अंग्रेजी को भी इस तरीके से सीख रहे होंगे। लेकिन आपके विद्याार्थियों के कक्षा के बाहर अंग्रेजी भाषा से अधिक संपर्क में न आने पर भी, वे इस भाषा को सीखने में उल्लेखनीय प्रगति कर सकते हैं यदि उन्हें कक्षा के भीतर इसे सुनने और बोलने का ढेर सारा अभ्यास मिलता हो (Lindsay and Knight, 2006, p. 8)।

इस इकाई से हम यह खोज कर सकतें हैं की अपनी कक्षा में अंग्रेजी भाषा की परस्पर क्रियायों की संख्या में वृद्धि कैसे कर सकते हैं। इस तरह, अंग्रेजी भाषा बोलने में ऐसी कोई चीज नहीं रहेगी जिससे विद्यार्थी डरते या जिसके बारे में चिंतित होते हैं बल्कि, वह आपके द्वारा अपने विद्यार्थियों के साथ संवाद करने का और उनके लिए आपस में बातचीत करने का एक आसान और प्राकृतिक तरीका बन जाएगा। यह इकाई आपको बोलने का अभ्यास करने में आपके विद्यार्थियों की मदद करने के भी कुछ तरीके दिखाती है ताकि वे भाषा की लय और उच्चारण से अधिक परिचित हो जाएं, और यह काम उनके लिए अधिक सहज हो जाय।

इस इकाई से आप क्या सीख सकते हैं

- दैनिक कक्षागत गतिविधियों में अंग्रेजी भाषा का प्रयोग कैसे करें।
- दैनिक कक्षागत गतिविधियों में अंग्रेज़ी भाषा का अधिक प्रयोग करने में अपने विद्यार्थियों की सहायता कैसे करें।
- पाठ्यपुस्तक की मदद से अंग्रेजी भाषा बोलने में विद्यार्थियों का आत्मविश्वास कैसे विकसित करें इसकी योजना बनाना।

1 दैनिक कक्षागत गतिविधियों के लिए अंग्रेजी

दैनिक कक्षागत गतिविधियाँ अंग्रेजी भाषा को नियमित रूप से सुनने और बोलने के लिए आपके विद्यार्थियों के लिए अर्थपूर्ण वास्तविक अवसर प्रदान कर सकती हैं। ऐसी छोटी गतिविधियों में आपके विद्यार्थियों का अभिवादन करना, हाजिरी लेना, नए विषय का परिचय देना या निर्देश देना जैसी चीजें शामिल हो सकती हैं। कक्षा में अंग्रेजी भाषा का इस तरह से उपयोग आपके विद्यार्थियों के लिए लाभदायक होता है क्योंकि उन्हें अधिक अंग्रेजी भाषा सुनने को मिलती है और वे वास्तविक जीवन में संचार में अंग्रेजी भाषा का प्रयोग करने के तरीके को सुनते हैं। इससे उन्हें अंग्रेजी भाषा बोलने का एक अवसर भी मिलता है।

विचार कीजिए

उस आखिरी अंग्रेजी भाषा कक्षा के बारे में सोचें जिसे आपने पढ़ाया थाः

- आपने कितनी अंग्रेजी भाषा बोली थी?
- किस प्रकार की गतिविधियों के लिए आपने बोलचाल की अंग्रेजी भाषा का उपयोग किया था?

अंग्रेजी भाषा का उपयोग करके संचार करने में समर्थ होने के लिए, विद्यार्थियों को भाषा को केवल पाठ्यपुस्तक के अभ्यासों में ही नहीं, बल्कि ढेर सारे अलग परिवेशों में और ढेर सारे विभिन्न कार्यों के साथ नियमित रूप से सुनने और बोलने में समर्थ होने की जरूरत पड़ेगी।

गतिविधि 1: आपके अंग्रेजी भाषा के उपयोग में वृद्धि करना

भाग 1: अपने अभ्यास के बारे में सोचना

कक्षागत स्थिति में नीचे दी गई सूची के बारे में सोचें। आप इन परिस्थितियों में अपने विद्यार्थियों से आम तौर पर क्या कहते हैं? किस भाषा का उपयोग आप आम तौर पर करते हैं? क्या ऐसी कोई गतिविधियाँ हैं जिनके लिए आप हमेशा विद्यार्थियों की स्थानीय भाषा का प्रयोग करते हैं और ऐसी अन्य गतिविधियाँ हैं जिनके लिए आप अंग्रेजी का प्रयोग करते हैं? क्या आप अपने अंग्रेजी भाषा के प्रयोग में वृद्धि कर सकते हैं? हो सके तो अपने किसी सहकर्मी के साथ इन प्रश्नों पर चर्चा करें।

- विद्यार्थियों का अभिवादन करना
- हाजिरी लेना
- निर्देश देना
- पूर्व ज्ञान की जाँच करना
- व्यवहार का प्रबंधन करना
- विद्यार्थियों को बोलने के लिए प्रोत्साहित करना
- अपने विद्यार्थियों की प्रशंसा करना
- गृहकार्य देना
- अलविदा कहना
- अपने विद्यार्थियों से उनके जीवन के बारे में बात करना।

तालिका 1 कक्षागत क्रियायों की दिनचर्याओं को सूचीबद्ध करती है। कुछ अंग्रेजी भाषा वाक्यांश दिए गए हैं जिनका प्रयोग आप प्रत्येक परिस्थिति में कर सकते हैं। प्रत्येक बॉक्स में कुछ और वाक्यांश लिखें।

तालिका 1 *कक्षागत विभिन्न परिस्थितियों के लिए अंग्रेजी भाषा के वाक्यांश।*

कक्षा की परिस्थिति	**अंग्रेजी** भाषा के **वाक्यांश**
विद्यार्थियों का अभिवादन करना	Namaste. Good morning. How are you today?
हाजिरी लेना	Who is missing today? Is anyone absent?
निर्देश देना	Students, please open your book at page 15. Now we will do lesson 10.
पूर्व ज्ञान की जाँच करना	The topic of the lesson is Nelson Mandela. Can anyone tell me who he is?
व्यवहार का प्रबंधन करना	Students, could you all sit down please.
अपने विद्यार्थियों को बोलने के लिए प्रोत्साहित करना	Would you like to try to answer, Sandesh?
अपने विद्यार्थियों की प्रशंसा करना	Very good!
गृहकार्य देना	Please finish this activity at home.
अलविदा कहना	OK, that's all for today. Goodbye. See you all tomorrow.
अपने विद्यार्थियों से सामाजिक रूप से बात करना	What did you do yesterday after school?

जब आप अपनी सूची में कुछ वाक्यांश जोड़ लें, तब अपने वाक्यांशों की तुलना संसाधन 1 में सूचीबद्ध वाक्यांशों के साथ करें।

भाग 2: पढ़ाने की तैयारी करना

अब आपने तालिका में जो वाक्यांश लिखें हैं उनमें से कुछ ऐसे अंग्रेजी भाषा के वाक्यांशों को चुनें जिन्हें आपने अपनी कक्षा में पहले नहीं आजमाया है, या संसाधन 1 से कुछ वाक्यांश चुनें। इन वाक्यों का ऊँची आवाज में, घर पर या अपने साथी के साथ अभ्यास करें।

याद रखें कि हो सकता है आपके विद्यार्थी शुरू में वाक्यांशों को न समझ पाएं। हावभाव और क्रियाकलाप समझने में उनकी मदद करेंगे। उदाहरण के लिए, जब आप निम्नलिखित कहते हैं तो आप इस हावभाव का उपयोग कर सकते हैं:

वाक्यांशों को हावभाव के साथ बोलने का अभ्यास करें।

भाग 3: कक्षा में

जब आप नए वाक्यांश के प्रति आश्वस्त महसूस करें, तब उसे कक्षा में आजमाएं। हावभावों का उपयोग करें और विद्यार्थियों को अंग्रेजी भाषा में या उनकी स्थानीय भाषा में उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

जब भी आप कक्षा में नए वाक्यांशों का उपयोग करें:

- व्याकरण की गलतियाँ करने के बारे में अत्यधिक चिंता न करें। आपके विद्यार्थी संभवतः ध्यान नहीं देंगे।
- अपने उच्चारण के बारे में अत्यधिक चिंता न करें। विद्यार्थियों के लिए केवल अंग्रेजी भाषा को बोले जाते समय सुनना महत्वपूर्ण है। यदि आपको उच्चारण की चिंता है तो आप पहले कुछ शब्दों और ध्वनियों के उच्चारण का स्वंय अभ्यास कर सकते हैं। या किसी मित्र या साथी शिक्षक के साथ अभ्यास करें (देखें संसाधन 1)।
- यदि आपके विद्यार्थी आरंभ में कोई बात न समझें, तो उसका अनुवाद न करें। वाक्यांश को कई बार दोहराएं और आप जो कह रहे हैं उसे समझने के लिए अपने विद्यार्थियों को कुछ समय दें। अपना मतलब समझाने के लिए हावभाव और गतिविधियों का उपयोग करने का प्रयास करें।
- याद रखें कि आपकी कक्षाओं का पूरी तरह से अंग्रेजी भाषा में होना जरूरी नहीं है। विद्यार्थियों की समझ को जाँचने के लिए उनकी अन्य भाषाओं का प्रयोग अच्छा होता है। बस समय के साथ–साथ अधिक से अधिक अंग्रेजी भाषा का प्रयोग करने का प्रयास करें।

आप अंग्रेजी भाषा का प्रयोग करना किसी भी समय शुरू कर सकते हैं। अंग्रेजी भाषा की कोई भी मात्रा बिल्कुल नहीं से बेहतर होगी। यदि आपको लगे कि यह आपके लिए कठिन है, या आपके विद्यार्थी प्रतिक्रिया नहीं कर रहे हैं, तो प्रयास जारी रखें। हार न मानें!

केस–स्टडी 1: श्री रमेश कुमार अपनी अंग्रेजी भाषा कक्षा में अधिक अंग्रेजी का प्रयोग करते हैं

श्री रमेश कुमार हाई स्कूल के विद्यार्थियों *को कई वर्षों से अंग्रेजी भाषा पढ़ा रहे हैं लेकिन उनके विद्यार्थी उसे स्वयं बोलने में पर्याप्त रूप से आश्वस्त नहीं हैं। उनकी भाषा सीखने में मदद करने के लिए वे कक्षा में अधिक अंग्रेजी भाषा बोलने का निश्चय करते हैं। हालांकि शुरू में उन्हें कठिनाई होती है, पर वे देखते हैं कि विद्यार्थी जल्दी ही कक्षा में अधिक अंग्रेजी भाषा सुनने के अभ्यस्त हो जाते हैं।*

मैं अपनी पिछली कक्षा और मैं कितनी अंग्रेजी भाषा का उपयोग करता हूँ इस पर विचार कर रहा था। मेरी प्रवृत्ति अधिकतर बस पाठ को पढ़ कर सुना देने की होती है। मैं कक्षा में बोलचाल की अधिक अंग्रेजी भाषा का उपयोग करना चाहता हूँ। जब मैं अध्यापक बनने के लिए पढ़ रहा था तब मैं काफी अंग्रेजी भाषा का उपयोग किया करता था, लेकिन अब मुझे उसका अभ्यास नहीं है। इसलिए अपने विद्यार्थियों के साथ अधिक अंग्रेजी भाषा का उपयोग शुरू करने से पहले मैंने स्वयं अभ्यास करने का निश्चय किया। मैंने उन चीजों को सोचने का प्रयास किया जो मैं आम तौर पर विद्यार्थियों से उनकी स्थानीय भाषा में कहता हूँ, जैसे 'Today we are doing Lesson 3', और ' Can you read the next line please?' मैंने इन वाक्यांशों का अभ्यास अंग्रेजी भाषा में खुद के साथ बार–बार और ऊँची आवाज में किया, ताकि जब मैं उनका उपयोग विद्यार्थियों के साथ करूँ तब वे सुनने में सहज लगें।

अगले दिन मैंने यह कहकर कक्षा का आरंभ किया:

> Good morning, students. Please open your books at page 32. Today we will be looking at Lesson 3 and reading the story 'The Little Girl'.
>
> Before we read, please look at the picture at the bottom of page 33. What do you see there? Why do you think the father is lying on the sofa?

उन्होंने मुझे कुछ अचरज के साथ देखा। शुरू में, किसी ने प्रतिक्रिया नहीं की। इसलिए मैंने उनकी किताबें खोलने के निर्देश को और दो बार दोहराया। अंततः, उन सबने अपनी किताबें सही पृष्ठ पर खोल लीं। फिर मैंने अपनी किताब निकाली और उन्हें पृष्ठ 3 पर दिया गया चित्र दिखाया। मैंने प्रश्न दोहराया:

> Why do you think the father is lying on the sofa?

वहाँ बिल्कुल शांति थी, लेकिन मैंने अपने विद्यार्थियों के जवाब के लिए कुछ क्षण प्रतीक्षा की। अंततः एक छात्र ने कहा ' tired'। तो मैंने जवाब में कहा: 'Good! Yes, I think he's tired.'

इस दिन से, मैंने कक्षा में अपने विद्यार्थियों के साथ अधिक से अधिक अंग्रेजी भाषा का प्रयोग करना शुरू कर दिया। मैंने कक्षा में 'Can you read the next line please?' जैसे निर्देश देने शुरू किए। मुझे आश्चर्य हुआ कि वे कितनी शीघ्रता से मेरे द्वारा उनसे अंग्रेजी में बात करने के अभ्यस्त हो गए। कभी–कभी मुझे निर्देशों को कई बार दोहराना पड़ता था, लेकिन जल्दी ही उनमें से अधिकतर छात्र समझने लगे।

मैं धीरे–धीरे कक्षा में अंग्रेजी भाषा का अधिकाधिक प्रयोग करने लगा हूँ, और मैं इसके बारे में अधिक आश्वस्त हो रहा हूँ। मैं जानता हूँ कि मैं कुछ गलतियाँ करता हूँ और मेरा उच्चारण सटीक नहीं है, लेकिन मेरे विद्यार्थियों को इसका पता नहीं चल रहा है। कभी–कभी मुझे शब्दावली के साथ समस्या होती है, और मैं किसी ऐसे शब्द या वाक्य को सोच नहीं पाता हूँ जिसका प्रयोग मैं अंग्रेजी में करना चाहता हूँ। जब ऐसा होता है, मैं जो कुछ अंग्रेजी भाषा में कहना चाहता हूँ उसे किसी अन्य तरीके से कहने पर विचार करने का प्रयास करता हूँ। अंतिम उपाय के रूप में, मैं हिंदी शब्द का उपयोग करता हूँ। मैं जिन शब्दों को नहीं जानता उन्हें नोट करने की कोशिश करता हूँ। कक्षा के बाद, मैं अपने किसी सहकर्मी से पूछता हूँ या शब्दकोश में उस शब्द को खोजता हूँ। इससे मुझे अपनी अंग्रेजी भाषा को सुधारने में भी मदद मिल रही है! और मैं देख रहा हूँ कि मेरे विद्यार्थी मुझे जवाब देते समय अंग्रेजी भाषा के कुछ शब्द कहने में अधिक आत्मविश्वासी होने लगे हैं। मैं उन्हें तत्काल सही न करने का प्रयास करता हूँ बल्कि वे जो कुछ कह रहे हैं उसके तात्पर्य को सुनता हूँ।

2 दैनिक कक्षागत गतिविधियों के लिए अंग्रेजी भाषा बोलने में विद्यार्थियों की सहायता करना

जब आप दैनिक कक्षागत गतिविधियों के लिए अंग्रेजी भाषा का प्रयोग करते हैं, तब आपके विद्यार्थियों के लिए अंग्रेजी भाषा का प्रयोग करके आपको उत्तर देने के अधिक अवसर उत्पन्न होते हैं। यह आपके विद्यार्थियों के लिए संचार हेतु भाषा का प्रयोग करने का वास्तविक प्रयोजन है। आप अपने साथ और एक दूसरे के साथ अधिक अंग्रेजी भाषा बोलने में अपने विद्यार्थियों की मदद कर सकते हैं, जिसके लिए आप उनके प्रयोग हेतु कुछ वाक्यांशों का सुझाव दे सकते हैं और उनसे इन वाक्यांशों का अभ्यास करा सकते हैं। अभ्यास से, विद्यार्थी भाषा का स्वतंत्र रूप से उपयोग करने में अधिक आत्मविश्वासी और अधिक सक्षम बन जाएंगे।

विचार कीजिए

उस आखिरी अंग्रेजी भाषा की कक्षा के बारे में सोचें जिसे आपने पढ़ाया था:

- आपके विद्यार्थियों ने कितनी अंग्रेजी भाषा बोली?
- किस प्रकार की गतिविधियों के लिए उन्होंने अंग्रेजी भाषा का प्रयोग किया?

कई अंग्रेजी भाषा की कक्षाओं में, विद्यार्थी अधिक अंग्रेजी भाषा नहीं बोलते हैं। वे पाठ्यपुस्तक के गद्यांशों या कविताओं को ऊँची आवाज में पढ़ सकते हैं या ऐसी कोई चीज पढ़कर सुना सकते हैं जो उन्होंने लिखी है। ये सभी उपयोगी गतिविधियाँ हैं और विद्यार्थियों के उच्चारण को सुधारने में सहायता करती हैं। वे उन्हें बातों को अंग्रेजी भाषा में कहने का अभ्यस्त भी होने देती हैं। तथापि, विद्यार्थियों को कक्षा के भीतर और उसके बाहर, दोनों स्थानों में वास्तविक जीवन के प्रयोजनों के लिए संचार करने में अंग्रेजी भाषा का प्रयोग करने का अभ्यास करने की जरूरत भी है।

निम्नलिखित गतिविधि ऐसे कुछ वाक्यांशों का अभ्यास करने में आपके विद्यार्थियों की सहायता करने के लिए कुछ विचार प्रदान करती है जिनका प्रयोग वे दैनिक कक्षागत गतिविधियों के लिए, आप और अन्य विद्यार्थियों दोनों के साथ कर सकते हैं। इससे उनके स्वतंत्र रूप से बोलने के आत्मविश्वास और क्षमता में वृद्धि होगी।

गतिविधि 2: भाषा गतिविधियों में अंग्रेज़ी भाषा का अधिक प्रयोग करने में अपने विद्यार्थियों की सहायता करना

यह गतिविधि कक्षा की भाषा के कुछ उदाहरण खोजने में आपकी सहायता करती है जिनका उपयोग आपके विद्यार्थी और आप एक दूसरे के साथ कर सकते हैं। फिर आपको भाषा का अभ्यास करने में उनकी मदद करने के लिए कुछ रणनीतियाँ बनानी है ताकि वह उनके लिए अधिक सहज बन सके।

भाग 1: अंग्रेजी भाषा की दैनिक प्रयोग होने वाले शब्दों की सूची बनाना

1. अपने विद्यार्थियों से पूछें: 'वे प्रश्न क्या हैं जो आप मुझसे सबसे अधिक बार पूछते हैं?' यदि आपके विद्यार्थी अधिक प्रश्न नहीं पूछते हैं, तो आप उन प्रश्नों के प्रकार के बारे में सोचने में उनकी सहायता कर सकते हैं जो वे आपसे पूछ सकते हैं। यह काम उनकी स्थानीय भाषा में करें। वे निम्न प्रकार के प्रश्न हो सकते हैं :

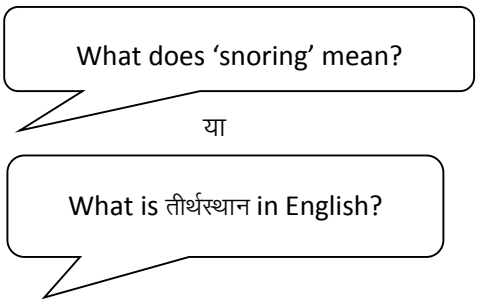

   आप उनसे उन प्रश्नों के बारे में सोचने को भी कह सकते हैं जो वे अपने अंग्रेजी भाषा पाठों की गतिविधियाँ करते समय एक दूसरे से पूछते हैं, उदाहरण के लिए जोड़ी में कार्य में (उदाहरणों के लिए देखें संसाधन 2)। यदि आपके विद्यार्थी जोड़ी में कार्य करने के अभ्यस्त नहीं हैं, तो इससे आपको उसे करने के विचार का परिचय देने में सहायता मिलेगी। अधिक जानकारी के लिए, देखें संसाधन 3, 'जोड़ी में कार्य का उपयोग करना'।
2. इन प्रश्नों को विद्यार्थियों की मातृभाषा में ब्लैकबोर्ड पर लिखें।
3. अपने विद्यार्थियों के साथ मिलकर, सोचें कि इन वाक्यांशों को आप अंग्रेजी में कैसे कह सकते हैं।
4. अंग्रेजी वाक्यांशों को ब्लैकबोर्ड पर लिखें।

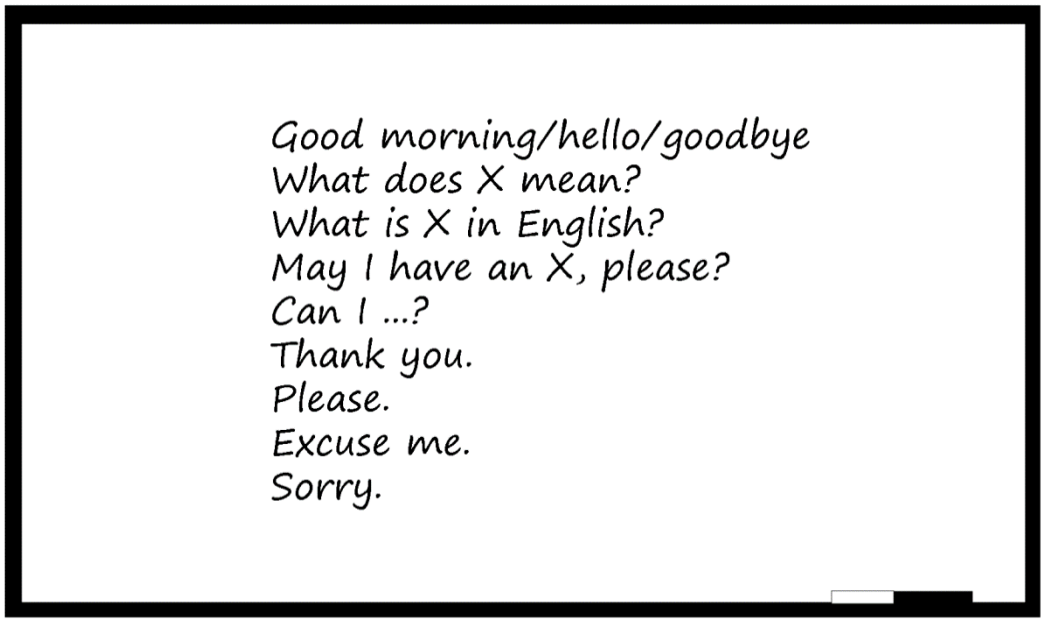

5. उच्चारण का अभ्यास करने के लिए, अपने विद्यार्थियों से हर वाक्यांश को सुनने और आपके बाद दोहराने के लिए कहें। इससे समूह में इन अभिव्यक्तियों को कहने में उनके आत्मविश्वास के निर्माण में मदद मिलती है।
6. वाक्यांश को वैयक्तिक रूप से दोहराने के लिए कक्षा के कुछ विद्यार्थियों का चुनाव करें। इससे आपको यह जाँचने में सहायता मिलती है कि क्या वे इन वाक्यांशों का उपयोग करने में पर्याप्त रूप से आत्मविश्वासी बन रहे हैं। यदि आपको लगता है कि आपके विद्यार्थी हिचक रहे हैं या उच्चारण के बारे में अस्पष्ट हैं, तो उनसे इन वाक्यांशों को समूह में दोबारा दोहराने को कहें।
7. उनकी समझ को परखने के लिए, वाक्यांश को विद्यार्थियों की स्थानीय भाषा में कहें और उनसे अंग्रेजी भाषा में उसका समतुल्य वाक्यांश बताने को कहें।
8. चार्ट पेपर का एक टुकड़ा लें। विद्यार्थियों को अलग–अलग बुलाकर हर एक से कागज पर एक वाक्यांश लिखवाएं।
9. कागज को कक्षा की दीवारों पर लटकाएं। विद्यार्थियों को प्रति दिन वाक्यांश याद दिलाएं और उनका उपयोग करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करें।
10. विद्यार्थियों के इन वाक्यांशों के साथ सहज हो जाने पर, वाक्यांशों का एक नया चार्ट बनाएं जिसका प्रयोग आप कक्षा में कर सकते हैं ताकि आप अपने द्वारा प्रयुक्त अंग्रेजी भाषा की मात्रा बढ़ा सकें।

भाग 2: कक्षागत भाषा का अभ्यास करना

भाग 1 आपने दैनिक जीवन में प्रयोग होने वाली अंग्रेजी भाषा के कुछ वाक्याशों को प्रदर्शित किया जिसका प्रयोग विद्यार्थी कक्षा में कर सकते हैं। इन वाक्यांशों का नियमित रूप से प्रयोग करने में विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढाने में मदद मिलेगीं। यह गतिविधि आपके विद्यार्थियों का, इन वाक्यांशों का अभ्यास समूह में, जोड़ियों में और वैयक्तिक रूप से करने में मदद करने के बारे में कुछ विचार प्रदान करती है ताकि भाषा उनके प्रयोग के लिए अधिक सहज बन जाये।

1. चार्ट पेपर पर आपके द्वारा प्रदर्शित दैनिक जीवन के वाक्यांशों या कथनों में से एक को चुनें, उदाहरण के लिए यह संवाद जिसका उपयोग विद्यार्थी जोड़ी में गतिविधि में कर सकते हैं:

Do you know what this word means?

No, I don't know it either. Let's ask Sangeeta. She probably knows. Sangeeta, do you know what 'humble' means?

Yes, it means XXX in English.

2. एक वाक्यांश बोलें (उदाहरण के लिए 'Do you know what this word means'?)। विद्यार्थियों से कहें: 'Repeat after me', और उनसे आपके बाद समूह को दोहराने को कहें। ऐसा दो या तीन बार करें। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है क्योंकि इस तरह वे नई भाषा का अभ्यास समूह में कर सकते हैं जो अक्सर अधिक सुरक्षित लगता है।
3. वाक्यांश को वैयक्तिक रूप से दोहराने के लिए कक्षा के कुछ विद्यार्थियों का चुनाव करें। इससे आपको यह जाँचने में सहायता मिलती है कि क्या वे इन वाक्यांशों का प्रयोग करने में आत्मविश्वासी बन रहे हैं। यदि आपको लगता है कि आपके विद्यार्थी हिचक रहे हैं या उच्चारण के बारे में अस्पष्ट हैं, तो उनसे इन वाक्यांशों को फिर से समूह में दोहराने को कहें।
4. तब उस वाक्यांश के लिए जवाब बोलें (उदाहरण के लिए 'No, I don't know it either।')। फिर, विद्यार्थियों से एक समूह के रूप में जवाब को आपके बाद दोहराने को कहें। इसे कुछ बार दोहराएं और विद्यार्थियों से उसे अलग–अलग दोहराने के कहें। ऐसा सारे संवाद के लिए करें।
5. कोई प्रश्न पूछें और अपने विद्यार्थियों से जवाब को समूह के रूप में दोहराने को कहें। आप पूछते हैं:

Do you know what this word means?

विद्यार्थी समूह में जवाब देते हैं:

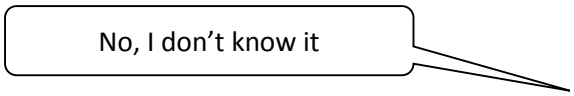

इसे संपूर्ण संवाद के लिए जारी रखें। इससे प्रदर्शित होता है कि वाक्यों का उपयोग संचार के लिए कैसे किया जा सकता है।

6. कक्षा को दो भागों में बाँटें। एक हिस्सा समूह में प्रश्न पूछता है:

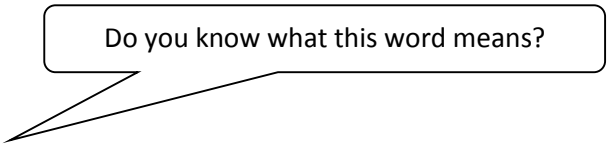

दूसरा हिस्सा समूह में जवाब देता है।

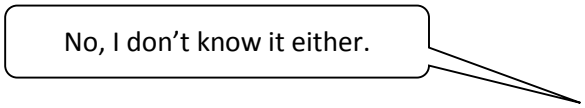

इसे संपूर्ण संवाद के लिए जारी रखें। जब पढ़ने का समय हो तब प्रत्येक समूह की ओर इशारा करें। यदि विद्यार्थी मिलकर नहीं दोहराते हैं, तो गतिविधि को रोक दें और वापस शुरू करें। हर एक को समय में बाँधे रखने के लिए आप हावभावों का उपयोग कर सकते हैं। यदि आप देखते हैं कि विद्यार्थियों को किन्हीं खास शब्दों (उदा. 'either') के उच्चारण में कठिनाई हो रही है, तो उनसे उन शब्दों को कुछ बार दोहराने को कहें।

7. अब तक विद्यार्थियों में वाक्यांशों को बोलने का आत्मविश्वास बढ़ जाता है तब वे उनका अभ्यास जोड़ियों में कर सकते हैं ताकि वे उन्हें स्वंय अपने बलबूते पर बोलते समय अधिक आश्वस्त हो सकें। विद्यार्थियों ं से जोड़ियाँ बनाने के कहें। एक छात्र से प्रश्न पूछने को कहें। दूसरा विद्यार्थी उत्तर देता है। फिर वे भूमिकाओं की अदलाबदली करते हैं। जोड़ियों में काम करते समय, विद्यार्थी संवाद का अभ्यास ऐसे करते हैं जैसे वह वार्तालाप हो। वे भाषा का स्वतंत्र रूप से उपयोग नही कर रहे हैं, लेकिन वे उन उपयोगी वाक्यांशों से परिचित हो रहे हैं जिनका उपयोग संचार करने के लिए करने में वे जल्दी ही समर्थ हो जाएंगे।

जब आपके विद्यार्थी जोड़ियों में काम कर रहे हों, तब कक्षा में घूमते हुए देखें वे किस तरह से आगे बढ़ रहे हैं। भाग लेने के लिए अपने विद्यार्थियों की प्रशंसा करें और उन्हें अच्छा काम जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करें। नोट करें कि विद्यार्थियों ं को उच्चारण के साथ तो कोई कठिनाई नहीं हो रही है ताकि आप किसी अनुवर्ती गतिविधि में कठिन शब्दों का अभ्यास कर सकें।

वीडियो: जोड़ी में किये गये कार्य का उपयोग करना

विचार कीजिए

इस गतिविधि को अपने छात्रों के साथ आजमाने के बाद, इन प्रश्नों के बारे में सोचें:

- क्या आपके विद्यार्थी अंग्रेजी भाषा की कक्षाओं में वाक्यांशों का उपयोग करते हैं?
- यदि नहीं, तो आप अपने विद्यार्थियों को उनका प्रयोग करने के लिए कैसे प्रोत्साहित कर सकते हैं?
- यदि वे ऐसा करते हैं, तो आप उनके द्वारा प्रयुक्त वाक्यांशों की मात्रा कैसे बढ़ा सकते हैं?

विद्यार्थी शुरू में अंग्रेजी भाषा का प्रयोग करने में हिचक सकते हैं। यदि वे चार्ट पेपर पर दी गई किसी बात को अपनी स्थानीय भाषा में कहते हैं, तो आप कह सकते हैं: 'Could you please try to say that in English?' और उन्हें वाक्यांश की याद दिलाने के लिए चार्ट पेपर की ओर इशारा कर सकते हैं। या आप कक्षा से पूछ सकते हैं, 'Students, can anyone help Vishnu say that in English?'

अधिकांश विद्यार्थियों ं के आपके द्वारा प्रदर्शित वाक्यांशों के प्रयोग के साथ सहज हो जाने के बाद, आप वाक्यांशों का एक और पोस्टर बना सकते हैं। उदाहरण के लिए, आप पाठ्यपुस्तक के विभिन्न पाठों के लिए या रोजमर्रा के जीवन में प्रयुक्त होने वाली या आपके द्वारा चर्चित विभिन्न विषयों के लिए शब्दावली के पोस्टर बना सकते हैं। अपने विद्यार्थियों ं को जितनी बार संभव हो अंग्रेजी भाषा का उपयोग करने की याद दिलाते रहें।

3 अंग्रेजी भाषा बोलने हेतु आत्मविश्वास विकसित करने में पाठ्यपुस्तक के पाठों का प्रयोग करना

आप विद्यार्थियों की अंग्रेजी भाषा में बोलने के कौशलों और उच्चारण को विकसित करने में सहायता करने के लिए पाठ्यपुस्तक के अध्यायों का प्रयोग भी कर सकते हैं। ऐसा करने का एक सरल तरीका है पाठ्यपुस्तक को ऊँचे स्वर में पढ़ना और अपने सभी विद्यार्थियों से आपके बाद उसे एक साथ दोहराने को कहना। इससे विद्यार्थियों को अंग्रेजी भाषा का उच्चारण करने के तरीके को सीखने और उसकी लयों से परिचित होने में मदद मिलती है।

इस प्रकार की गतिविधि संवादों और कविता जैसे लघु अंशों के साथ खास तौर पर अच्छा कार्य करती है। यह एक सरल और लघु गतिविधि है जिसे बस कुछ मिनटों में किया जा सकता है, शायद जब आप कोई नया पाठ या नई शब्दावली पढ़ा रहे हों तब अध्याय के आरंभ में इसका प्रयोग कर सकतें हैं।

विद्यार्थियों को दोहराने हेतु कहना अंग्रेजी भाषा के अध्यापन में उपयोगी है क्योंकि यह:

- सभी विद्यार्थियों को बोलने का अवसर देता है – यहाँ तक कि बड़ी कक्षाओं में भी, हर विद्यार्थी को अभ्यास करने का अवसर मिलता है
- शर्मीले विद्यार्थियों के लिए उत्तम है, क्योंकि इससे उन्हें स्वयं अपने बलबूते पर बोलने से पहले अधिक आश्वस्त छात्रों के साथ बोलने का अवसर मिलता है
- विद्यार्थियों को अपने उच्चारण का अभ्यास करने और अंग्रेजी की लयों के साथ परिचित होने का मौका देता है।

केस–स्टडी 2: श्रीमती अनिता अंग्रेजी बोलने का अभ्यास करने में अपने विद्यार्थियों की मदद करने के लिए पाठ्यपुस्तक से एक कविता का उपयोग करती हैं

श्रीमती अनिता हाल ही में एक ग्रामीण इलाके के सरकारी स्कूल में स्थानांतरित हुई हैं और उनके कक्षा 9 के विद्यार्थियों *को अंग्रेजी भाषा में बोलने में कठिनाई हो रही है। वे उनके आत्मविश्वास और उच्चारण का विकास करने में उनकी मदद करना चाहती हैं और ऐसा करने के लिए पाठ्यपुस्तक के अध्यायों का प्रयोग करती हैं।*

मैंने अपने विद्यार्थियों से उनके जीवन के बारे में कुछ प्रश्न पूछने का प्रयास किया, लेकिन वे मुझे जवाब नहीं दे सके। तब मुझे समझ में आया कि मुझे आरंभ से शुरू करना चाहिए। उन्हें अंग्रेजी भाषा बोलने का अभ्यास करने का आदी बनाने का जो सबसे अच्छा तरीका मुझे समझ में आया वह था ऊँची आवाज में पढ़ना। इस हेतु सबसे आसान पाठ होते हैं पाठ्यपुस्तक के अध्याय, इसलिए मैंने बस अगले अध्याय से शुरू करने का निश्चय किया – a poem from Chapter 8 of the NCERT Class IX textbook *Beehive*: 'Trees', by Joyce Kilmer:

इसी प्रकार की कविता का अंग्रेजी उदाहरण अपनी कक्षा की अंग्रेजी भाषा की पाठ्य पुस्तक से लें सकतें हैं।

poem from state text book ;

I think that I shall never see
A poem lovely as a tree.
A tree whose hungry mouth is prest
Against the earth's sweet flowing breast;
A tree that looks at God all day
And lifts her leafy arms to pray;
A tree that may in summer wear
A nest of robins in her hair;
Upon whose bosom snow has lain;

Who intimately lives with rain.
Poems are made by fools like me.
But only God can make a tree.

कक्षा से पहले, मैंने कविता को ऊँची आवाज में पढ़ने का अभ्यास किया ताकि मैं उसे पढ़ने में आश्वस्त रहूँ, और उसे ऊँची आवाज में पढ़ कर सुना सकूँ तथा उनके लिए एक अच्छा आदर्श बन सकूँ। कक्षा में, मैंने एक बार में कविता की दो पंक्तियों को ऊँची आवाज में लय के साथ पढ़ा, और विद्यार्थियों से मेरे बाद इस तरह से दोहराने को कहाः

और उन्होंने इसे दोहराया। मैं बस चाहती थी कि वे कविता को सुनें, उसे लय में बोलें, और अपने उच्चारण का अभ्यास करें। इस बिंदु पर, मैं इस बारे में चिंतित नहीं थी कि उन्होंने कविता के विषय में क्या समझा था।

मैंने फिर सारी कक्षा से अगली दो पंक्तियों को मिलकर पढ़ने के कहा। तो मैंने पढ़ाः

और छात्रों ने अनुसरण कियाः

A tree whose hungry mouth is prest against the earth's sweet flowing breast.

फिर मैंने अपनी कक्षा को दो भागों में बाँट दिया। मैंने कक्षा के एक भाग को पहली दो पंक्तियाँ ऊँची आवाज में पढ़ने को कहा; मैंने कक्षा के दूसरे हिस्से को अगली दो पंक्तियों को जोर से पढ़ने को कहा।

आरंभ में, विद्यार्थियों ने पंक्तियाँ मिलकर नहीं कहीं, इसलिए मैंने उन्हें रोका और उनसे वह दोबारा करने को कहा। इस बार मैंने यह संकेत देने के लिए अपने हाथों का उपयोग किया कि विद्यार्थियों को नई पंक्ति कब शुरू करनी है। मुझे लगा कि जैसे मैं किसी ऑर्केस्ट्रा का संचालन कर रही हूँ!

मैं यह सुनिश्चित करने के लिए कक्षा में भी घूमी कि सभी विद्यार्थी शामिल हो रहे हैं। मैंने उन विद्यार्थियों को, जो भाग नहीं ले रहे थे यह कह कर प्रोत्साहित किया, 'Come on, let's all speak together. Just try it!'

अधिकांश विद्यार्थी कविता कहने में आनंद लेते लग रहे थे और काफी स्पर्धात्मक हो गए थे। प्रत्येक समूह अपनी पंक्ति को दूसरे समूह से बेहतर कहना चाहता था! मुझे आशा है इससे उनमें अंग्रेजी भाषा में बोलना शुरू करने का आत्मविश्वास जागृत होगा। इससे उन्हें

कविता को बेहतर ढंग से याद रखने में, और उसकी कुछ भाषा का स्वयं अपनी बोलचाल और लेखन में प्रयोग करने में भी सहायता मिल सकती है।

पहले मैंने सोचा कि हाई स्कूल विद्यार्थियों के साथ इस प्रकार की गतिविधि करना उचित नहीं है, क्योंकि उन्हें वास्तव में अधिक आत्मविश्वासी और अंग्रेजी भाषा बोलने में सक्षम होना चाहिए। लेकिन इस तरह के अभ्यास से ही वे वह आत्मविश्वास प्राप्त कर सकते हैं। जबकि इस गतिविधि में उन्हें उनकी अपनी भाषा उत्पन्न करने की जरूरत नहीं थी, कम से कम वे ऊँची आवाज में तो बोल रहे थे और अपने उच्चारण का अभ्यास कर रहे थे। मैं अब अपनी कक्षाओं को बोलने की गतिविधि से नियमित रूप से शुरू कर रही हूँ। एक बार उनके ऊँची आवाज में बोलने में अधिक आश्वस्त हो जाने पर, मैं बोलने की अन्य गतिविधियाँ आजमाऊँगी जिनमें वे संचार के लिए अंग्रेजी भाषा का उपयोग करते हैं।

गतिविधि 3: पाठ्यपुस्तक के अध्याय के साथ समूह में बोलने को आजमाना

अपनी कक्षा में दोहराव गतिविधि का प्रयोग आजमाने के लिए निम्न चरणों का पालन करें।

1. पाठ्यपुस्तक के उस अगले भाग को देखें जिसे आप पढ़ाने जा रहे हैं।
2. कोई छोटा पाठ, या पाठ का हिस्सा चुनें, जिसका प्रयोग आप बोलने की गतिविधि के लिए कर सकते हैं। कोई भी छोटा पाठ चलेगा लेकिन कविताएं और संवाद आदर्श होते हैं।
3. कक्षा से पहले पाठ को स्वयं बोलने का अभ्यास करें। उसे तब तक बोलें जब तक कि आप आश्वस्त न महसूस करने लगें। यदि किसी शब्द के उच्चारण के बारे में आप निश्चित नहीं हैं, तो किसी सहकर्मी या मित्र से पूछें।
4. कक्षा में, अपने विद्यार्थियों को पाठ (या पाठ का कुछ भाग) ऊँची आवाज में पढ़कर सुनाएं। पंक्ति दर पंक्ति (या एक बार में दो पंक्तियाँ) पढ़ें और अपने विद्यार्थियों को आपके बाद दोहराने को कहें। सुनिश्चित करें कि आप पाठ की पूरी पंक्तियाँ, या पूरे खंड पढ़ कर सुनाएं – एक बार में एक शब्द नहीं। आपके विद्यार्थियों को अर्थपूर्ण शब्दों के समूहों को बोलने का अभ्यास करना चाहिए ताकि वे भाषा की लय को समझें और शब्दों के बीच संबंध स्थापित करने लगें।
5. जब आप पाठ को पढ़ लें, और विद्यार्थी उसे दोहरा लें, तो कक्षा को दो या तीन समूहों में बाँट दें। प्रत्येक समूह को पढ़ने के लिए पाठ का अलग हिस्सा दें।
6. जब पढ़ने का समय हो तब प्रत्येक समूह की ओर इशारा करें।
7. यदि आपके विद्यार्थी मिलकर नहीं दोहराते हैं, तो गतिविधि को रोक दें और दोबारा शुरू करें। हर एक को समय के भीतर रखने के लिए आप हावभावों का उपयोग कर सकते हैं।
8. जब आपके विद्यार्थी दोहरा रहे हों तब उन्हें न टोकें, भले ही वे गलती कर रहे हों। उन्हें पंक्ति या खंड पूरा करने दें। आप उच्चारण की गलतियों से बाद में निपट सकते हैं।
9. कमरे में चहलकदमी करें और हर एक को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

विचार कीजिए

यहाँ इस गतिविधि को आजमाने के बाद आपके विचार करने के लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं। यदि संभव हो, तो इन प्रश्नों की चर्चा किसी सहकर्मी के साथ करें।

- क्या इस गतिविधि में कक्षा के सभी विद्यार्थी शामिल हुए? यदि नहीं, तो आप अगली बार शामिल होने के लिए उन सभी को कैसे प्रोत्साहित कर सकते हैं?
- इस गतिविधि को अपनी कक्षा के लिए दिलचस्प बनाए रखने के लिए आप इसे विभिन्न तरीकों से कैसे कर सकते हैं?
- आप इस प्रकार की गतिविधि का प्रयोग अंग्रेजी भाषा बोलने में अपने विद्यार्थियों की सहायता करने के लिए कैसे कर सकते हैं?

यदि आपके सभी विद्यार्थियों ने भाग नहीं लिया, तो बोलने में आत्मविश्वास पैदा करने के लिए शायद उन्हें अधिक समय चाहिए। यदि आप बोलने की गतिविधियाँ नियमित रूप से करेंगे तो वे इसे विकसित कर लेंगे। उनकी प्रशंसा और उन्हें प्रोत्साहित करना न भूलें। गलतियों की ओर ध्यान न खीचें। शर्मीले विद्यार्थियों को बोलने के अधिक अवसर और प्रोत्साहन दें। इसके उदाहरणों के लिए, संसाधन 4, 'सभी की सहभागिता देखें।

वीडियोः सभी की सहभागिता

आप इस तरह की गतिविधि को अपने विद्यार्थियों से अंग्रेजी भाषा में वे जो कुछ कह रहे हैं उसे भिन्न तरीकों से दोहराने को कह कर दिलचस्प बनाने हेतु निम्न हावभावों को प्रदर्शित कर सकतें हैंः धीरे से, शीघ्रता से, ऊँची आवाज में, चुपचाप, दुःखी ढंग से, इत्यादि। सभी विद्यार्थियों से अपने पाठों को पढ़ने के लिए कहें। आप पहले संपूर्ण कक्षा से, तब छोटे समूहों से और यहाँ तक कि अकेले विद्यार्थियों से कह सकते हैं। सभी विद्यार्थियों को शामिल करने का प्रयास करें। जबकि यह मज़ेदार गतिविधि है, परन्तु इसे कई बार दोहराया गया या प्रत्येक पाठ पर लागू किया गया तो यह उबाऊ हो सकती है। विद्यार्थियों से एक ही चीज को बार–बार दोहराने को न कहें अन्यथा वे ऊब सकते हैं।

दोहराव गतिविधियों का प्रयोजन विद्यार्थियों में बोलने और अपने उच्चारण का अभ्यास करने के आत्मविश्वास का निर्माण करने में मदद करना है। यह कविता को याद करने के लिए नहीं है। कविता को पढ़कर सुनाने का अभ्यास करके, विद्यार्थी अंग्रेजी भाषा की ध्वनियों और लयों से परिचित होते हैं। तथापि, अंग्रेजी भाषा में बोलने सीखने के लिए, उन्हें पाठ्यपुस्तक के वाक्यों को दोहराने से अधिक कुछ करने की जरूरत होती है। विद्यार्थियों को बोलचाल की गतिविधियों में भाग लेने की भी जरूरत होती है जिन्हें वास्तविक जीवन की स्थितियों पर लागू किया सकता है।

4 सारांश

इस इकाई में आपने देखा कि आप अपनी कक्षाओं में अधिक अंग्रेजी भाषा का प्रयोग कैसे कर सकते हैं, ताकि आपके विद्यार्थी कक्षा की दैनिक गतिविधियों को करने में संचार हेतु अंग्रेजी भाषा का प्रयोग करने के अभ्यस्त हो जायं। आपने वे गतिविधियाँ भी देखीं जिनमें विद्यार्थी समूहों में या व्यक्तिगत रूप से अंग्रेजी भाषा के वाक्यांशों को आपके बाद दोहराकर अभ्यास करते हैं, ताकि वे कक्षा में अंग्रेजी भाषा बोलने में अधिक आश्वस्त हो सकें। इन गतिविधियों के लिए आपके लिए आवश्यक हो सकने वाली कक्षा संबंधी भाषा के उदाहरणों के लिए संसाधन 1 देखें।

यदि आपकी अपने स्वयं के उच्चारण कौशलों का विकास करने में रुचि है जिससे कि आप अपने विद्यार्थियों के लिए बेहतर अनुकरण उपलब्ध करा सकें, तो संसाधन 5 देखें।

इस विषय पर अन्य हाई स्कूल/सेकेण्डरी अंग्रेजी भाषा के शिक्षक हेतु विकास की इकाइयाँ निम्न हैंः

- *अपने विद्यार्थियों में अंग्रेजी भाषा बोलने के आत्मविश्वास का निर्माण करनाः* सामूहिक दोहराव और जोड़ी में लिखवाना बोलने में विद्यार्थियों का आत्मविश्वास विकसित करने में मदद करते हैं। इस इकाई में अपने विद्यार्थियों की अधिक आत्मविश्वासी होने में सहायता करने के तरीकों के बारे में अधिक जानें।
- *अंग्रेजी भाषा में बोलने का समर्थन करनाः जोड़ी और समूहकार्य।*

संसाधन

Resource 1: Classroom language

यहाँ पर कक्षा के लिए उपयोगी कुछ वाक्यांश दिए गए हैं। आप इस सूची में अन्य वाक्यांश जोड़ सकते हैं।

विद्यार्थियों का अभिवादन करना

Good morning students. How are you today?

Good afternoon everyone.

Are you ready to start?

Let's start the lesson.

What did you do yesterday?

How did you find the homework?

Can anyone remember what we did in the last class?

हाजिरी लेना

Let's take attendance.

Please respond to your roll number.

Who is missing today? Is anyone absent?

Does anyone know why Kavita is not here?

Listen while I call your names.

Raise your hand and say 'Here'/'Present' when I call out your name.

निर्देश देना

Open your books at page 38.

Look at the picture at the top of the page.

Please read the first paragraph of the text.

Ramesh, please read the questions.

Read the first stanza aloud.

Repeat after me.

Do it again, please.

Discuss the questions with your partner.

You have ten minutes.

OK – start!

Two more minutes.

OK! Time's up!

Listen. Now write down what I say.

पूर्व ज्ञान की जाँच करना

The topic of the lesson is Nelson Mandela. Can anyone tell me who he is?

Can you remember what we did in the last class?

Does anyone already know what this is called?

Does anyone have one of these at home?

Can anyone tell me how to say XXX in English?

व्यवहार का प्रबंधन करना

Students, could you all sit down, please.

Now the pair work activity is over. Please return to your desks.

Can you four work together, please?

Let Santosh say something too, please.

अपने विद्यार्थियों को बोलने के लिए प्रोत्साहित करना

Could you speak up a bit, please?

Would you like to try to answer, Sandesh?

Yes, that's almost right.

Can anyone help Anita with the answer?

Go on …

I'm sure you can answer that.

Can you explain that to the rest of the class?

अपने विद्यार्थियों की प्रशंसा करना

Very good!

Very nice!

Excellent!

Well done!

Good work!

I'm impressed.

Keep it up.

That's correct.

You were very quick!

That was very good, say it again.

You are very good at guessing.

I like the way you're doing that.

गृहकार्य देना

For your homework, please do Activity B.

We're out of time. Please finish this activity at home.

Don't forget about your homework!

At home, please do the exercises in the 'Thinking about language' section on page 40.

Before tomorrow's lesson, think about a time you have taken a risk.

For homework, imagine you are Anne Frank. Think about what it must have been like to be her.

अलविदा कहना

Okay then, that's all for today. Goodbye. See you all tomorrow.

The bell has rung. It's time to finish.

Put your books away.

How much time do we have left?

We still have five minutes left.

That's all for today.

We'll read the next part of the passage in the next lesson.

Goodbye! See you tomorrow.

Have a nice weekend.

How much homework do you have from your other lessons?

Don't forget your homework!

Take care when you cross the road.

अपने विद्यार्थियों से उनके जीवन के बारे में बात करना

How are you today?

Where is Gita?

Is she ill?

Have you been ill? Are you okay now?

What did you do yesterday after school?

Did you have a nice day on Sunday? What did you do?

Did you do anything nice during your holiday?

What are you doing this weekend?

Is it your birthday?

Did you watch the cricket match at the weekend?

Does anyone in your family speak English?

What languages do you use at home?

संसाधन 2: वह भाषा जिसका प्रयोग विद्यार्थी आपसे और एक दूसरे से बात करने के लिए कर सकते हैं

What does XXX mean?

How do I say XXX in English?

Is that correct?

I don't know how to say XXX.

Do you know what this word means?

No, I don't know either.

Let's ask Sita . She probably knows.

Do you think that this is right?

It looks good to me.

I'm not sure if this is correct.

संसाधन 3: जोडी में किये गये कार्य का उपयोग करना

दैनिक परिस्थितियों में लोग काम करते हैं, और साथ–साथ एक दूसरे से बोलते भी हैं और उनकी बात सुनते हैं, तथा देखते हैं कि वे क्या करते हैं और कैसे करते हैं। लोग इसी तरह से सीखते हैं। जब हम दूसरों से बात करते हैं, तो हमें नए विचारों और जानकारियों का पता चलता है। कक्षाओं में अगर सब कुछ शिक्षक पर केंद्रित होता है, तो अधिकतर विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई को प्रदर्शित करने के लिए या प्रश्न पूछने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिलता। कुछ विद्यार्थी केवल संक्षिप्त उत्तर दे सकते हैं और कुछ बिल्कुल भी नहीं बोल सकते। बड़ी कक्षाओं में, स्थिति और भी बदतर है, जहां बहुत कम विद्यार्थी ही कुछ बोलते हैं।

जोड़ी में कार्य का प्रयोग क्यों करें?

जोड़ी में कार्य विद्यार्थियों के लिए ज्यादा बात करने और सीखने का एक स्वाभाविक तरीका है। यह उन्हें विचार करने और नए विचारों तथा भाषा को कार्यान्वित करने का अवसर देता है। यह विद्यार्थियों को नए कौशलों और संकल्पनाओं के माध्यम से काम करने और बड़ी कक्षाओं में भी अच्छा काम करने का सुविधाजनक तरीका प्रदान करता है।

जोड़ी में कार्य करना सभी आयु वर्गों और लोगों के लिए उपयुक्त होता है। यह विशेष तौर पर बहुभाषी, बहुग्रेड कक्षाओं में उपयोगी होता है, क्योंकि एक दूसरे की सहायता करने के लिए जोड़ों को बनाया जा सकता है। यह सर्वश्रेष्ठ तब काम करता है जब आप विशिष्ट कार्यों की योजना बनाते हैं एवम् उनका नित्य अभ्यास करातें हैं और यह सुनिश्चित करें कि आपके सभी विद्यार्थी इन प्रक्रियांयों में शामिल हैं और प्रगति कर रहे हैं। एक बार इन नित्य प्रक्रियायों को स्थापित कर लिए जाने के बाद, आपको पता लगेगा कि विद्यार्थी तुरंत जोड़ों में काम करने के अभ्यस्त हो जाते हैं और इस तरह सीखने में आनंद लेते हैं।

जोड़ी में कार्य करने के लिए काम

आप शिक्षण के अभीष्ट परिणाम के आधार पर विभिन्न प्रकार के कार्यों का जोड़े में कार्य करने के लिए उपयोग कर सकते हैं। जोड़े में कार्य को अवश्य ही स्पष्ट और उपयुक्त होना चाहिए ताकि सीखने में अकेले काम करने के मुकाबले साथ मिलकर काम करने में अधिक मदद मिले। अपने विचारों के बारे में बात करके, आपके विद्यार्थी स्वचालित रूप से खुद को और विकसित करने के बारे में विचार करेंगे।

जोडी में कार्य करने में शामिल हो सकते हैं:

- **'विचार करें–जोड़ी बनाए–साझा करें':** विद्यार्थी किसी समस्या या मुद्दे के बारे में खुद ही विचार करते हैं और फिर दूसरे विद्यार्थियों के साथ अपने उत्तर साझा करने से पूर्व संभावित उत्तर निकालने के लिए जोड़ों में कार्य करते हैं। इसका उपयोग वर्तनी, परिकलनों के जरिये कामकाज, प्रवर्गों या क्रम में चीजों को रखने, विभिन्न दृष्टिकोण प्रदान करने, कहानी आदि का पात्र होने का अभिनय करने आदि के लिए किया जा सकता है।
- **जानकारी साझा करना:** आधी कक्षा को विषय के एक पहलू के बारे में जानकारी दी जाती है; और शेष आधी कक्षा को विषय के भिन्न पहलू के बारे में जानकारी दी जाती है। फिर वे समस्या का हल निकालने के लिए या निर्णय करने के लिए अपनी जानकारी को साझा करने के लिए जोड़ो में कार्य करते हैं।
- **सुनने जैसे कौशलों का अभ्यास करना:** एक छात्र कहानी पढ़ सकता है और दूसरा प्रश्न पूछता है; एक विद्यार्थी अंग्रेजी भाषा में पैसेज पढ़ सकता है, जबकि दूसरा इसे लिखने का प्रयास करता है; एक छात्र किसी तस्वीर या डायाग्राम का वर्णन कर सकता है जबकि दूसरा छात्र वर्णन के आधार पर इसे बनाने की कोशिश करता है।
- **निम्नलिखित निर्देश:** एक विद्यार्थी कार्य पूरा करने के लिए दूसरे छात्र हेतु निर्देश पढ़ सकता है।
- **कहानी सुनाना या भूमिका अदा करना:** विद्यार्थी जो भाषा वे सीख रहे हैं, उसमें कहानी या संवाद बनाने के लिए जोड़ों में कार्य कर सकते हैं।

सभी की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए जोड़ों का प्रबंधन करना

जोड़े में कार्य करने का अर्थ सभी को काम में शामिल करना है। चूंकि विद्यार्थी भिन्न होते हैं, इसलिए जोड़ों का प्रबंधन इस तरह से करना चाहिए कि हरेक को जानकारी हो कि उन्हें क्या करना है, वे क्या सीख रहे हैं और आपकी अपेक्षाएं क्या हैं। अपनी कक्षा में जोड़े में कार्य को सरल बनाने के लिए, आपको निम्नलिखित काम करने होंगे:

- उन जोड़ों का प्रबंधन करना जिनमें विद्यार्थी काम करते हैं। कभी–कभी विद्यार्थी मैत्री जोड़ों में काम करेंगे; कभी–कभी वे काम नहीं करेंगे। सुनिश्चित करें कि उन्हें बोध है कि आप उनके सीखने की प्रक्रिया को अधिकतम करने में सहायता करने के लिए जोड़ें तय करेंगे।
- अधिकतम चुनौती पेश करने के लिए, कभी–कभी आप मिश्रित योग्यता वाले और भिन्न भाषायी विद्यार्थियों के जोड़े बना सकते हैं ताकि वे एक दूसरे की मदद कर सकें; किसी समय आप एक स्तर पर काम करने वाले विद्यार्थियों के जोड़े बना सकते हैं।
- रिकॉर्ड रखें ताकि आपको अपने विद्यार्थियों की योग्यताओं का पता हो और आप उसके अनुसार उनके जोड़े बना सकें।
- आरंभ में, विद्यार्थियों को पारिवारिक और सामुदायिक संदर्भों से उदाहरण लेकर, जहां लोग सहयोग करते हैं, जोड़े में काम करने के फायदे बताएं।
- आरंभिक कार्य को संक्षिप्त और स्पष्ट रखें।
- यह सुनिश्चित करने के लिए कि विद्यार्थी जोड़े ठीक वैसे ही काम कर रहे हैं जैसा आप चाहते हैं, उन पर नजर रखें।
- विद्यार्थियों को उनके जोड़े में उनकी भूमिकाएं या जिम्मेदारियां प्रदान करें, जैसे कि किसी कहानी से दो पात्र, या साधारण लेबल जैसे '1' और '2', या 'क' और 'ख'। यह कार्य उनके एक दूसरे का सामना करने से पूर्व करें ताकि वे सुनें।

- सुनिश्चित करें कि विद्यार्थी एक दूसरे के सामने बैठने के लिए आसानी से मुड़ या घूम सकें।

जोड़ी में कार्य के दौरान, विद्यार्थियों को बताएं कि उनके पास प्रत्येक काम के लिए कितना समय है और उनकी नियमित जांच करते रहें। उन जोड़ियों की प्रशंसा करें जो एक दूसरे की मदद करते हैं और काम पर बने रहते हैं। जोड़ों को आराम से बैठने और अपने खुद के हल ढूंढने का समय दें – विद्यार्थियों को विचार करने और अपनी योग्यता दिखाने से पूर्व ही जल्दी से उनके साथ शामिल होने का प्रलोभन हो सकता है। अधिकांश विद्यार्थी हरेक के बात करने और काम करने के वातावरण का आनंद लेते हैं। जब आप कक्षा में देखते हुए और सुनते हुए घूम रहे हों तो नोट बनाएं कि कौन से विद्यार्थी एक साथ आराम में हैं, हर उस विद्यार्थी के प्रति सचेत रहें जिसे शामिल नहीं किया गया है, और किसी भी सामान्य गलतियों, अच्छे विचारों या सारांश के बिंदुओं को नोट करें।

कार्य के समाप्त होने पर आपकी भूमिका उनके बीच की कड़ियां जोड़ने की है जिनको विद्यार्थियों ने बनाया है। आप कुछ जोड़ों का चुनाव उनका काम दिखाने के लिए कर सकते हैं, या आप उनके लिए इसका सार प्रस्तुत कर सकते हैं। विद्यार्थियों को एक साथ काम करने पर उपलब्धि की भावना का एहसास करना पसंद आता है। आपको हर जोड़े से रिपोर्ट लेने की जरूरत नहीं है – इसमें काफी समय लगेगा – लेकिन आप उन विद्यार्थियों का चयन करें जिनके बारे में आपको अपने अवलोकन से पता है कि वे कुछ सकारात्मक योगदान करने में सक्षम होंगे और जिससे दूसरों को सीखने को मिलेगा। यह उन विद्यार्थियों के लिए एक अवसर हो सकता है जो आमतौर पर अपना विश्वास कायम करने हेतु योगदान करने में संकोच करते हैं।

यदि आपने विद्यार्थियों को हल करने के लिए समस्या दी है, तो आप कोई नमूना उत्तर भी दे सकते हैं और फिर उनसे जोड़ों में उत्तर में सुधार करने के संबंध में चर्चा करने के लिए कह सकते हैं। इससे अपने खुद के शिक्षण के बारे में विचार करने और अपनी गलतियों से सीखने में उनकी सहायता होगी।

यदि आप जोड़ी में कार्य करने के लिए नए हैं, तो उन बदलावों के संबंध में नोट बनाना महत्वपूर्ण है जिन्हें आप कार्य, समयावधि या जोड़ों के संयोजनों में करना चाहते हैं। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि आप इसी तरह सीखेंगे और इसी तरह अपने अध्यापन में सुधार करेंगे। जोड़े में कार्य का सफल आयोजन करना स्पष्ट निर्देशों और उत्तम समय प्रबंधन के साथ–साथ संक्षिप्त सार संक्षेपण से जुड़ा है – यह सब अभ्यास से आता है।

संसाधन 4: सभी की सहभागिता

सभी की सहभागिता या 'सभी को शामिल करें' का क्या अर्थ है?

संस्कृति और समाज की विविधता कक्षा में प्रतिबिंबित होती है। विद्यार्थियों की भाषाएं, रुचियां और योग्यताएं अलग–अलग होती हैं। विद्यार्थी विभिन्न सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमियों से आते हैं। हम इन विभिन्नताओं को अनदेखा नहीं कर सकते हैं; वास्तव में हमें उन्हें सकारात्मक रूप से देखना चाहिए क्योंकि हमारे लिए ये एक दूसरे के बारे में तथा हमारे अनुभव से परे के संसार को जानने और समझने के लिए माध्यम का काम कर सकते हैं। सभी विद्यार्थियों को शिक्षा प्राप्त करने एवं अपनी स्थिति, योग्यता और पृष्ठभूमि से इतर जाकर सीखने का अवसर हासिल करने का अधिकार है, और इस बात को भारतीय कानून में एवं अंतरराष्ट्रीय बाल अधिकारों में मान्यता प्राप्त है। 2014 में राष्ट्र के नाम अपने पहले संबोधन में, प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के सभी नागरिकों के मूल्यों, मान्यताओं को महत्व दिए जाने पर बल दिया भले ही किसी नागरिक की जाति, लिंग या आय कुछ भी क्यों न हो। इस संबंध में विद्यालयों और अध्यापकों की बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका है।

हम सभी के पास उन दूसरे लोगों को लेकर पूर्वाग्रह और विचार होते हैं जिनसे हमारा परिचय या साक्षात्कार नहीं हुआ हो सकता है। एक अध्यापक के रूप में, आपके पास प्रत्येक विद्यार्थी के शैक्षिक अनुभव को सकारात्मक या नकारात्मक ढंग से प्रभावित करने की शक्ति होती है। चाहे जानबूझकर हो या अनजाने में, आपके निहित पूर्वाग्रहों और विचारों का इस बात पर अवश्य प्रभाव होगा कि आपके विद्यार्थी कितनी बराबरी के साथ सीख रहे हैं। आप अपने विद्यार्थियों को असमान व्यवहार से सुरक्षित करने के लिए कदम उठा सकते हैं।

आपके द्वारा अधिगम में सभी की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए तीन प्रमुख सिद्धांत

- **ध्यान देना:** प्रभावी अध्यापक चौकस, अनुभवी एवं संवेदनशील होते हैं; वे अपने विद्यार्थियों में होने वाले बदलावों पर *ध्यान* देते हैं। यदि आप चौकस हैं तो आप उन बातों पर ध्यान देंगे जब एक विद्यार्थी कुछ अच्छा करता है, जब उसे सहायता की आवश्यकता होती है और जब वह दूसरों के साथ जुड़ता है। आप अपने विद्यार्थियों में होने वाले परिवर्तनों का भी अनुभव कर सकते हैं जो उनकी घरेलू परिस्थितियों या अन्य समस्याओं के चलते प्रतिबिंबित हो सकते हैं। सभी को शामिल करने के लिए दैनिक रूप से अपने विद्यार्थियों पर, खास तौर पर उपेक्षित या प्रतिभागिता करने में असमर्थ महसूस कर सकने वाले विद्यार्थियों पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है।
- **आत्मसम्मान पर ध्यान केंद्रित करना:** अच्छे नागरिक वे होते हैं जो अपने स्वत्व को लेकर सहज होते हैं। उनमें आत्मसम्मान की भावना होती है, उन्हें अपनी शक्तियों और कमजोरियों का पता होता है और उनमें व्यक्तियों की पृष्ठभूमि के प्रति पूर्वाग्रह रखे बिना सकारात्मक संबंध स्थापित करने की योग्यता होती है। वे स्वयं का और दूसरों का सम्मान करते हैं। एक अध्यापक के रूप में, आपका युवा विद्यार्थियों के आत्मसम्मान पर महत्वपूर्ण प्रभाव हो सकता है; अपनी इस शक्ति के बारे में जानें और प्रत्येक विद्यार्थी के अंदर आत्मसम्मान विकसित करने के लिए उसका प्रयोग करें।

- **लचीलापनः** यदि कोई विधि या गतिविधि आपकी कक्षा में किसी विशिष्ट विद्यार्थी, समूह या व्यक्ति के लिए काम नहीं कर रही है तो अपनी योजनाओं में बदलाव करने या गतिविधि को रोकने के लिए तैयार रहें। लचीली दृष्टि रखने से आप समायोजन करने में सक्षम होंगे जिससे आप अधिक प्रभावी ढंग से सभी विद्यार्थियों को सहभागी बना सकते हैं।

हर समय आपके द्वारा अपनाए जा सकने वाले दृष्टिकोण

- **अच्छा व्यवहार प्रस्तुत करनाः** जातीयता, धर्म या लिंग का भेदभाव किए बिना अपने विद्यार्थियों के साथ अच्छे ढंग से व्यवहार कर उनके सामने आदर्श प्रस्तुत करें। सभी विद्यार्थियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करें और अपने शिक्षण के माध्यम से यह बात स्पष्ट करें कि आप सभी विद्यार्थियों को एक समान महत्व देते हैं। उन सभी के साथ सम्मान से बात करें, उनके विचार उपयुक्त होने पर उसे महत्व दें और उन्हें सभी के लिए लाभप्रद कार्य लेने के द्वारा कक्षा के लिए जिम्मेदारी उठाने को प्रोत्साहित करें।
- **अधिक उम्मीदें:** योग्यता सीमित नहीं होती है; यदि विद्यार्थियों को उचित सहायता मिले तो वे सीख सकते हैं और प्रगति कर सकते हैं। यदि किसी विद्यार्थी को आपके द्वारा कक्षा में की जा रही गतिविधि समझने में मुश्किल हो रही है तो ऐसा न समझें कि वे अब कभी भी जान और समझ नहीं सकते। एक अध्यापक के रूप में आपकी भूमिका बेहतरीन ढंग से प्रत्येक विद्यार्थी को सीखने में मदद करने की होनी चाहिए। यदि आप अपनी कक्षा के प्रत्येक विद्यार्थी से अधिक उम्मीद करते हैं तो आपके विद्यार्थियों में यह प्रबल धारणा बन सकती है कि यदि वे डटे रहते हैं तो अधिक सीखेंगे। अधिक उम्मीदें व्यवहार में भी दिखनी चाहिए। सुनिश्चित करें कि उम्मीदें स्पष्ट हैं और विद्यार्थी एक दूसरे से सम्मानजनक व्यवहार करते हैं।
- **अपने शिक्षण में विविधता लाएं:** विद्यार्थी अलग अलग तरीकों से सीखते हैं। कुछ विद्यार्थियों को लिखना पसंद होता है; तो कुछ अन्य को अपने विचार निरूपित करने के लिए माइंड मैप या चित्र बनाना अच्छा लगता है। कुछ विद्यार्थी अच्छे श्रोता होते हैं; कुछ अन्य तब सर्वश्रेष्ठ ढंग से सीखते हैं जब उन्हें अपने विचार के बारे में बात करने का अवसर प्राप्त होता है। आप हर समय सभी विद्यार्थियों के अनुरूप नहीं कर सकते हैं लेकिन आप अपने शिक्षण में विविधता पैदा कर सकते हैं और विद्यार्थियों को उनके द्वारा किए जा सकने के लिए कुछ अधिगम गतिविधियों में से अपना विकल्प चुनने का अवसर दे सकते हैं।
- **रोजमर्रा की जिंदगी से अधिगम को जोड़ें:** कुछ विद्यार्थियों को वे बातें अपने रोजमर्रा की जिंदगी के लिए अप्रासंगिक लग सकती हैं जिन्हें आप उनसे सीखने के लिए कहते हैं। आप इस प्रकार यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि जब भी संभव हुआ आप उस अधिगम को उनके लिए प्रासंगिक संदर्भ से जोड़ कर दिखाएंगे और आप उनके खुद के अनुभव से उदाहरण द्वारा निरूपित करेंगे।
- **भाषा का उपयोगः** अपने द्वारा प्रयोग की जाने वाली भाषा को लेकर सचेत रहें। सकारात्मक और प्रशंसात्मक भाषा का प्रयोग करें, छात्रों का उपहास न उड़ाएं। हमेशा उनके व्यवहार पर टिप्पणी करें, न कि स्वयं उन पर। 'तुम मुझे आज परेशान कर रहे हो' जैसे वाक्य बेहद व्यक्तिगत प्रकार के होते हैं, इसके बजाय आप इसे 'आज मुझे तुम्हारा व्यवहार कष्टप्रद लग रहा है। क्या कोई कारण है जिसके चलते ध्यान केंद्रित करने में तुम्हें मुश्किल हो रही है?' के रूप में बेहतर ढंग से व्यक्त कर सकते हैं।
- **रूढ़िवादिता को चुनौती दें:** उन संसाधनों का पता लगाएं और प्रयोग करें जो लड़कियों को गैर–रूढ़िवादी भूमिकाओं में प्रस्तुत करता है या वैज्ञानिक आदि अनुकरणीय महिलाओं को विद्यालय में आने के लिए निमंत्रित करें। लिंग को लेकर आप अपनी खुद की रूढ़िवादिता के प्रति सचेत रहें; आप जानते हैं कि लड़कियां खेलकूद के क्षेत्र में भी भाग लेती हैं वहीं लड़के देखभाल वाले कार्यों में भी पाए जाते हैं, लेकिन प्रायः हम इन्हें अलग ढंग से व्यक्त करते हैं, क्योंकि हम इसी तरीके से समाज में बात करने के अभ्यस्त होते हैं।
- **एक सुरक्षित, सुखद अधिगम वातावरण का निर्माण करें:** यह जरूरी है कि सभी विद्यार्थी विद्यालय में सुरक्षित और प्रसन्नचित्त महसूस करें। आप ऐसी स्थिति में होते हैं जिसमें आप अपने विद्यार्थियों को एक दूसरे के लिए परस्पर सम्मान और मित्रतापूर्ण व्यवहार के लिए प्रोत्साहित कर प्रसन्नचित्त महसूस करा सकें। इस बात पर विचार करें कि अलग अलग विद्यार्थियों के लिए विद्यालय और कक्षा को किस तरह विशिष्ट बनाया जा सकता है। इस बारे में सोचें कि उन्हें कहां बैठने के लिए कहा जाना चाहिए और सुनिश्चित करें कि दृश्य या श्रवण बाधा या शारीरिक अक्षमता वाला कोई भी विद्यार्थी अपना पाठ पढ़ने और सीखने के लिए कहां बैठ सकता है। इस बात की जांच करें कि शर्मीले स्वभाव या आसानी से विचलित होने वाले विद्यार्थियों को आप किस तरह आसानी से अपनी गतिविधियों में शामिल कर सकते हैं।

विशिष्ट शिक्षण उपागम

ऐसे कई विशिष्ट दृष्टिकोण हैं जिनसे आपको सभी विद्यार्थियों को शामिल करने में मदद मिलेगी। इन्हें अन्य प्रमुख संसाधनों में और अधिक विस्तार से वर्णित किया गया है लेकिन यहां संक्षिप्त परिचय दिया जा रहा हैः

- **प्रश्न पूछनाः** यदि आप विद्यार्थियों को हाथ खड़े करने के लिए कहते हैं तो वही विद्यार्थी जवाब देने को प्रवृत्त होते हैं। ऐसे कई अन्य तरीके भी हैं जिनसे जवाबों के बारे में सोचने और प्रश्नों पर प्रतिसाद देने के लिए अधिक विद्यार्थियों को शामिल किया जा सकता है। आप विशिष्ट विद्यार्थियों से प्रश्न पूछ सकते हैं। कक्षा से कहें कि आप यह निर्णय लेंगे कि कौन उत्तर देगा, फिर आप सामने बैठे हुए विद्यार्थियों की अपेक्षा कक्षा में पीछे या किनारे में बैठे विद्यार्थियों से प्रश्न पूछें। विद्यार्थियों को 'सोचने के लिए समय' दें और विशिष्ट विद्यार्थियों से अपना योगदान देने के लिए कहें। विश्वास का निर्माण करने के लिए जोड़ी या समूहकार्य का प्रयोग करें ताकि आप संपूर्ण कक्षा चर्चा में हरेक को शामिल कर सकें।
- **मूल्यांकनः** रचनात्मक मूल्यांकन के लिए तकनीकों की शृंखला विकसित करें, इनसे आपको हरेक छात्र को बेहतर ढंग से जानने में मदद मिलेगी। छिपी प्रतिभाओं और खामियों को उजागर करने के लिए आपको रचनात्मक होने की जरूरत है। कतिपय विद्यार्थियों एवं उनकी योग्यताओं के बारे में सामान्यीकृत विचारों के कारण कुछ धारणाएं बन जाती हैं जबकि रचनात्मक मूल्यांकन आपको सटीक जानकारी देगा। तब आप उनकी व्यक्तिगत आवश्यकताओं पर प्रतिसाद देने के लिए बेहतर स्थिति में होंगे।

- **समूह कार्य एवं जोड़ी में कार्यः** सभी विद्यार्थियों को शामिल करने और उन्हें एक दूसरे को महत्व देने के लिए प्रोत्साहित करने के लक्ष्य को ध्यान में रखकर इस बात पर सावधानीपूर्वक विचार करें कि किस तरह आप अपनी कक्षा को समूह में विभाजित कर सकते है या उनमें जोड़े बना सकते हैं। सुनिश्चित करें कि सभी विद्यार्थियों को एक दूसरे से सीखने और अपनी सीखी बातों पर विश्वास का निर्माण करने के लिए अवसर प्राप्त है। कुछ विद्यार्थियों में एक छोटे समूह में अपने विचारों को व्यक्त करने और प्रश्न पूछने के लिए आत्मविश्वास होगा किंतु हो सकता है कि संपूर्ण कक्षा के सामने उन्हें अपने को खड़ा करने में झिझक हो।
- **विशिष्टीकरणः** अलग अलग समूहों के लिए अलग अलग कार्य निर्दिष्ट करने से विद्यार्थियों को अपनी सीखी हुई जगह से शुरू करने और आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। समाप्ति रहित कार्य निर्धारित करने से सभी विद्यार्थियों को सफल होने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थियों को विभिन्न कार्यों में विकल्प प्रदान करने से उन्हें उस कार्य के प्रति उत्तरदायित्व का अहसास करने और अपने अधिगम के लिए जवाबदेही लेने में मदद मिलेगी। व्यक्तिगत अधिगम आवश्यकताओं का ध्यान रखना कठिन होता है, खास तौर पर बड़ी कक्षा में लेकिन अलग अलग कार्यों और गतिविधियों का उपयोग कर इसे किया जा सकता है।

संसाधन 5: स्वयं अपनी अंग्रेज़ी का विकास करें

अपने स्वयं के उच्चारण को सुधारने के लिए कुछ सुझाव प्रस्तुत हैं:

- आपसे जितनी अधिक हो सके उतनी अंग्रेजी सुनें, और देखें कि शब्दों का उच्चारण कैसे किया जाता है।
- उन शब्दों या स्वरों को बोलने का अभ्यास करें जो आपको कठिन लगते हैं।
- अकेले स्वरों का ही अभ्यास न करें; आपको जोर देने और लय के लिए लंबे गद्यांशों को बोलने का अभ्यास करने की भी जरूरत पड़ेगी।
- यदि संभव हो, तो स्वयं को रिकार्ड करें और रिकार्डिंग को सुनें। स्वयं को फिर से रिकार्ड करें और आपको जो गलतियाँ नज़र आएं उन्हें सुधारें।
- सटीक लहजे के साथ अंग्रेजी बोलने के बारे में चिंता न करें। अंग्रेजी के कई भिन्न लहजे और प्रकार हैं। महत्वपूर्ण यह है कि जब आप बोलें तब लोग आपकी बात को समझ सकें।

कुछ अधिक उपयोगी संसाधन पाने के लिए इन लिंक्स पर क्लिक करें:

- Pronunciation tips: http://www.bbc.co.uk/worldservice/learningenglish/grammar/pron/
- Phonemic chart: http://www.teachingenglish.org.uk/article/phonemic-chart

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

BBC Learning English (undated) 'Pronunciation tips' (online). Available from: http://www.bbc.co.uk/worldservice/learningenglish/grammar/pron/ (accessed 27 November 2013).

National Council of Educational Research and Training (2006a) *Beehive: Textbook in English for Class XI*, National Council of Educational Research and Training. Available from: http://www.ncert.nic.in/NCERTS/textbook/textbook.htm (accessed 31 July 2013).

National Council of Educational Research and Training (2006b) *Honeysuckle: Textbook in English for Class VI*, National Council of Educational Research and Training. Available from: http://www.ncert.nic.in/NCERTS/textbook/textbook.htm (accessed 31 July 2013).

Lindsay, C. and Knight, D. (2006) *Learning and Teaching English: A Course for Teachers*. Oxford: Oxford University Press.

Pearson (undated) 'Classroom language' (online). Available from: http://www.pearsonlongman.com/young_learners/pdfs/classroomlanguage.pdf (accessed 28 November 2013).

STiR Education (undated) '2012 STiR micro-innovations' (online). Available from: http://www.stireducation.org/ambition/2012-micro-innovations/ (accessed 28 November 2013).

TeachingEnglish (2010) 'Phonemic chart' (online), 15 December. Available from: http://www.teachingenglish.org.uk/article/phonemic-chart (accessed 27 November 2013).

अभिस्वीकृतियाँ

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन–शेयरएलाइक लाइसेंस (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/) के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है। नीचे दी गई सामग्री मालिकाना हक की है तथा इस परियोजना के लिए लाइसेंस के अंतर्गत ही उपयोग की गई है, तथा इसका Creative Commons लाइसेंस से कोई वास्ता नहीं है। इसका अर्थ यह है कि इस सामग्री का उपयोग अननुकूलित रूप से केवल TESS-India परियोजना के भीतर किया जा सकता है और किसी भी बाद के OER संस्करणों में नहीं। इसमें TESS-India, OU और UKAID लोगो का उपयोग भी शामिल है।

इस यूनिट में सामग्री को पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति के लिए निम्न स्रोतों का कृतज्ञतापूर्ण आभारः

वृत्त–अध्ययन 2: पाठ्यपुस्तक *मधुमक्खी का छत्ता* के अध्याय 8 में जॉयस किल्मर (1913) द्वारा 'वृक्ष', NCERT कक्षा 11 http://ncert.nic.in/।['Trees' by Joyce Kilmer (1913) in Chapter 8 of the textbook Beehive, NCERT Class XI http://ncert.nic.in/]

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत–भर के उन अध्यापक शिक्षकों, मुख्याध्यापकों, अध्यापकों और छात्रों के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन युनिवर्सिटी के साथ काम किया।